दिल्ली, एन.सी.आर. व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लोकप्रिय मासिक

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

Regd. No.-UPHIN/2004/15489 www.uvindianews.com प्रधान सम्पादकः सत्येन्द्र सिंह

छात्रों को कोरोना वैक्सीन की...P-4

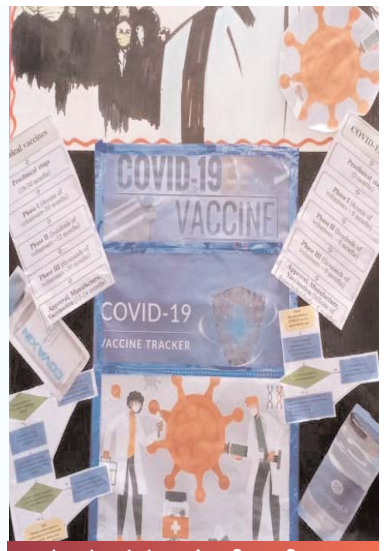

वर्ष : 17 अंक : 1 गाजियाबाद, जनवरी, 2021 मूल्य : 4 रूपया पृष्ठ : 04 E-mail : udyogviharnp@gmail.com

कोरोना लाइव	10,395,938 मामले (भारत)	10,016,859 मरीज ठीक हुए	150,372 कुल मौतें	87,783,333 मामले (दुनिया)

केंद्र ने राज्यों को कहा- कर लें मुकम्मल तैयारी, टीकाकरण बस चंद दिन दूर

भारत बायोटेक ने पूरा किया अहम पड़ाव

-उद्योग विहार (जनवरी 2021)-

नई दिल्ली। देश में टीकाकरण को लेकर तैयारियां अंतिम दौर में हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के लिए मुकम्मल तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। वहीं दूसरी ओर भारत बायोटेक ने अपनी वैक्सीन को वैक्सीन (उडश्अक्ठ) के तीसरे चरण के ट्रायल के लिए स्वयंसेवकों के नामांकन की प्रक्रिया को सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है।

ऐसे होगी आपूर्ति

समाचार एजेंसी एएनआइ ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से बताया है कि केंद्र शासित प्रदेशों समेत 19 राज्यों को आपूर्तिकर्ताओं के माध्यम से कोरोना वैक्सीन मिलेगी जबकि बाकी 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो के जरिए वैक्सीन मिलेगी। केंद्र की ओर से भेजे गए पत्र के मुताबिक, 19 केंद्र शासित प्रदेशों और राज्यों को वैक्सीन की पहली खेप जल्द मिल जाएगी।

इन्हें आपूर्तिकर्ताओं के जरिए होगी आपूर्ति

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आपूर्तिकताओं के माध्यम

से जल्द वैक्सीन मिलनी है उनमें आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। केंद्र सरकार की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि वैक्सीन की आपूर्ति चिन्हित कंसाइन पॉइंट्स पर की जाएगी।

इन्हें मेडिकल स्टोर डिपो से होगी आपूर्ति

बाकी जिन 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो के जरिए वैक्सीन मिलेगी उनमें अंडमान निकोबार द्वीप, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादर और नगर हवेली, दमन और दीव, गोवा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पुडुचेरी, सिक्किम, त्रिपुरा और उत्तराखंड शामिल हैं।

जरूरी अग्रिम तैयारियां पूरी

केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि वैक्सीन की पहली खेप हासिल करने के लिए जरूरी अग्रिम तैयारियां पूरी कर लें। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य जब वैक्सीन हासिल कर लेंगे तब जिलों को इसका वितरण होने लगेगा। जिलों में वैक्सीन का वितरण रजिस्टर्ड लाभार्थियों के अनुसार किया जाएगा। इसके लिए अलग से संवाद किया जाएगा। वैक्सीन वितरण के लिए भारतीय वायु सेना और कमर्शियल एयरलाइंस का इस्तेमाल किया जाएगा।

भारत बायोटेक पूरा किया अहम पड़ाव

इस बीच भारत बायोटेक ने कहा है कि उसने अपनी वैक्सीन कोवैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल के लिए स्वयंसेवकों के नामांकन की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। भारत बायोटेक ने तीसरे चरण का ट्रायल नवंबर के मध्य में शुरू किया था। शुरूआत में ट्रायल के लिए 13 हजार स्वयंसेवकों की भर्ती की गई थी। भारत बायोटेक ने तीसरे चरण के लिए कुल 26 हजार लोगों की भर्ती किए जाने की बात कही थी।

सेटिंग से विजिलेंस जांच भी पड़ जाती है ठंडे बस्ते में

-उद्योग विहार (जनवरी 2021)-

गाजियाबाद। मुरादनगर में शमशान घाट का हाल गिरने के दौरान 25 लोगों की मौत के बाद कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार के मुददे उठ रहे है। पूरे मामले को लेकर गिरफतार ठेकेदार अजय त्यागी के बयान के बाद जहां ये पहलू उठ रहा है कि कमीशन के रेट 30 प्रतिशत पहुंच गए है, लेकिन देखा जाए तो समय समय पर घोटाले उठते रहे है। इस बीच शासन के द्वारा कई मामलों में विजिलेंस जांच बैठायी गई, लेकिन घोटाले के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा जांच टीम के साथ सेटिंग बैठा ली जाती है और मामले को ठंडे बस्ते में डलवाने में कामयाब हो जाते है। यहां बता दे कि निवर्तमान महापौर अंशू वर्मा के कार्यकाल के दौरान स्वच्छ भारत अभियान के नाम पर डस्टबिन घोटाले का मामला जोरशोर से उठा। यहां तक सवाल उठे कि मार्केट से कई गुणा रेट पर डस्टबिन की खरीद की गई। इसके अलावा भी कई अन्य घोटाले उठे। उस वक्त पूरे प्रकरण को लेकर शासन के द्वारा विजिलेंस जांच बैठायी गई। विजिलेंस विभाग की टीम के द्वारा कई माह तक मामले को लेकर पडताल की। बताते है कि जिन अधिकारियों की भूमिका को लेकर उस दौरान सवाल उठे, वह विजिलेंस विभाग से ही सेटिंग बनाने में कामयाब रहे। अब शौचालयों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के भुगतान के एवज में कमीशन के मामले की गूंज शासन तक होने के बाद विजिलेंस जांच बैठायी गई है।

मेरठ-सहारनपुर मंडल की चारों एमएलसी सीटों पर भाजपा उतारेगी उम्मीदवार, मंथन शुरू

- सपा के आशुमलिक, बसपा के प्रदीप जाटव, धर्मवीर अशोक सहित चारों का कार्यकाल 30 जनवरी तक
- भाजपा के दिग्गज लक्ष्मीकांत वाजपेयी, आशु वर्मा, देवेंद्र चौधरी, प्रशांत चौधरी, सतेंद्र शिशौदिया सहित दर्जनों के नामो की चर्चा

-उद्योग विहार (जनवरी 2021)-

गाजियाबाद। मेरठ-सहारनपुर मंडल की शिक्षक व स्नातक सीट पर दशको से काबिज नेता हेमसिंह पुंडीर व ओमप्रकाश शर्मा का मिथक तोडने के बाद भाजपा अब इस मंडल की शेष चार ओर एमएलसी सीटों पर काबिज होना चाह रही है। हाल में चारों सीटो पर सपा-बसपा का कब्जा है। पार्टी जातिगत के साथ ही संगठन के पुराने कार्यकर्ताओं के अलावा दूसरी पार्टियों से भाजपा में शमिल क्षेत्रीय दिग्गज नेताओ पर भी दाँव खेल सकती है। इन सीटों पर इसी माह की 28तारीख को चुनाव होना है। हाल में प्रदेश की 12 एमएलसी सीटों पर चुनाव की घोषणा हो गई है। जिसमें बसपा और सपा के लिए मेरठ-सहारनपुर मंडल की चार सीटों पर फिर से कब्जा करना बड़ी चुनौती है। हालांकि पार्टी के नेताओं का मानना है कि 12 में से दो सीट पर विपक्ष की ओर से प्रत्याशी उतारे जाएंगे। वहीं 10 सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ेगी। मेरठ-सहारनपुर मंडल की सभी चार सीटों पर भाजपा की नजर है। भाजपा इन सीटो पर किसे उम्मीदवार बनायेगी। जातिगत क्षेत्रवाईज व पार्टी में शमिल हो चुके दिग्गजो के साथ ही संगठन के पुरान कार्यकर्ताओं को तरजीह देकर फार्मूला तैयार कर रही है। इस चुनाव के साथ ही पंचायत चुनाव पर भी पार्टी संगठन का विशेष फोकस है। बता दें कि मेरठ-सहारनपुर मंडल से सहारनपुर के साहब सिंह सैनी, गाजियाबाद जिले के आशु मलिक और प्रदीप कुमार जाटव, बुलंदशहर के धर्मवीर सिंह अशोक का 30 जनवरी को कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जिसे लेकर भाजपा ने प्रत्याशियों के नामों पर विचार शुरू कर दिया है। पश्चिम क्षेत्र से भाजपा तीन नामों पर विचार कर रही है, जो संगठन से जुड़े हुए हैं। हालांकि अभी किसी का नाम तय नहीं है। वैसे भाजपा ने कुल 15 नामों का पैनल तैयार किया है। उसमें से 10 नामों पर पार्टी की चुनाव समिति में विचार

होगा। इस चुनाव को लेकर भागदौड में पूर्व में हुये विधानसभा व लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी में शमिल हुये असरदार नेताओं में पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी, धर्मेश तोमर, सुधन रावत व दर्जनों एसे लोगो में किसी एक को लेने की भी अटकले जारी हैं। पार्टी सूत्रों की माने तो इन चार सीटो पर पार्टी संगठन के ऊँचे ओहदे पर रहे पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी, प्रदेश उपाध्यक्ष बने अश्वनी त्यागी, क्षेत्रीय अध्यक्ष पद के दावेदार रहे सतेंद्र शिशौदिया, बिजनौर के प्रभारी बने एवं गजियाबाद के पूर्व मेयर आशु वर्मा, पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी, राजा वर्मा, अरविंद भारतीय, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यवीर राघव व मेरठ, बागपत सहित अन्य जनपदों के संभी नेताओं के नामो की चर्चा है। फिलहाल मेरठ-सहारनपुर मंडल की चार में से कोई भी सीट भाजपा के पास नहीं है। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल का कहना है कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। एमएलसी चुनाव में भी कार्यकर्ता और संगठन से जुड़े लोग ही चुनाव लड़ेंगे। पश्चिम क्षेत्र तो महत्वपूर्ण है ही।

पंचायत चुनाव के लिए पश्चिम क्षेत्र की बैठक

भाजपा ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जिला स्तर पर बैठकें प्रारंभ कर दी है। विजय लक्ष्य लेकर तैयार की गई रणनीति को बैठकों के माध्यम से कार्यकताओं तक पहुंचाने का अभियान शुरू करने का फैसला किया है। आठ जनवरी को प्रदेश के संगठन मंत्री संजय राय व चौरसिया गाजियाबाद जिले में पंचायत चुनाव को लेकर बैठक की। प्रदेश सह महामंत्री (संगठन) कर्मवीर कुमार और प्रदेश महामंत्री जेपीएस राठौर मेरठ में पंचायत चुनाव को लेकर बैठक की।

दोषियों को मिले सख्त से सख्त सजा : वन्दना

गाजियाबाद। मुरादनगर हादसे के दोषियों को कठोर से कठोर सजा दिलाने की मांग गीतांजलि वेलफेयर एजूकेशनल समिति ने की है। इसके अलावा बदायूं में महिला के साथ हुई हैवानियत को लेकर भी उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। समिति के पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक पत्र जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय के कार्यालय में दिया। समिति की अध्यक्ष वंदना चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही है। कहीं कोई भ्रष्टाचारियों द्वारा कराए गए घटिया निर्माण कार्य के नीचे दबकर अकाल मृत्यु तिल तिल-कर मर रहा है। तो कहीं बहन बेटियों को निर्भया की तरह हैवानियत का शिकार बनाया जा रहा है। कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। आरोपियों को पुलिस प्रशासन ही नही शासन का भी कतई खौफ नही है। अगडी जाति के लोग अपराध करने से बाज नही आ रहे। शासन प्रशासन का यदि भय हो तो भी क्राइम स्वतः ही घट जाएगा।

MINIMUM WAGES IN DIFFERENT STATES

CATEGORY OF WORKERS	U.P MINUMUM WAGES GENERAL /ENGINEERING			DELHI MINIMUM WAGES	RAJASTHAN MINIMUM WAGES	GUJRAT MINIMUM WAGES		PUNJAB MINIMUMWAGES	HARYANA MINIMUMWAGES	UTTARAKHAND MINIMUMWAGES
	U.P. GENERAL	U.P. ENGG. BELOW 500	U.P. ENGG. ABOVE 500	MINIMUM WAGES	MINIMUM WAGES	MINIMUM WAGES		MINIMUMWAGES	MINIMUMWAGES	MINIMUMWAGES
	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.		W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.
	01/04/20 TO 30/09/2020	01/02/20 TO 31/07/2020	01/02/20 TO 31/07/2020	10/1/2018	5/1/2019	01/10/2019 TO 31/03/2020		1/3/2019	1/7/2019	01-10-2018 TO 31-03-2019
	BASIC +DA	BASIC +DA	BASIC +DA	BASIC+DA	BASIC+DA	ZONE-I	BASIC+DA ZONE-II	BASIC+DA	BASIC+DA	BASIC+DA
UN SKILLED	8625.00	10086.03	10574.06	14842.00	5850.00	8278.40	8070.40	8776.83	9024.24	8331.00
SEMISKILLED	9487.50	11075.65	11631.46	16341.00	6162.00	8486.40	8278.40	9556.83	*	8924.00
SEMISKILLED-A	*	*	*	*	*	*	*	*	9475.43	*
SEMISKILLED-B	*	*	*	*	*	*	*	*	9949.19	*
SKILLED	10627.50	12295.73	12688.87	17991.00	6474.00	8720.40	8486.40	10453.83	*	9518.00
SKILLED A	*	*	*	*	*	*	*	*	10446.65	*
SKILLED B	*	*	*	*	*	*	*	*	10969	*
HIGHLY SKILLED	*	*	*	*	7774.00	*	*	11485.83	11517.45	*

नए कृषि कानूनों के विरोध किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च

डीएम, एसएसपी मौके पर पल पल की दे रहे अपडेट

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने आंदोलन कर रहे किसानों से विरोध मार्च को शांतिपूर्ण रखने की अपील की और जोर देकर कहा कि सरकार एक प्रस्ताव को लेकर आशान्वित है।

पहले किसान पलवल तक ट्रैक्टर रैली निकालने वाले थे, लेकिन अब वे नोएडा तक ही जाएंगे और गाजीपुर लौटेंगे। पर्याप्त पुलिस बल तैनात है, वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है। शैलेन्द्र कुमार सिंह, एडीएम (सिटी)

-उद्योग विहार (जनवरी 2021)- **गाजियाबाद**। कृषि कानूनों के विरोध में किसानों द्वारा यूपी गेट से विशाल ट्रेक्टर मार्च निकाला गया। ट्रेक्टर मार्च में बड़ी संख्या में किसान अपने अपने ट्रेक्टरों के साथ शामिल हुए। किसानों के ट्रेक्टर मार्च को लेकर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी पूरी तरह अलर्ट रहा।

कृषि कानूनों के विरोध विभिन्न किसान संगठनों के नेताओ सहित बड़ी संख्या किसान पिछले 43 दिनों से यूपी गेट के साथ साथ दिल्ली के विभिन्न बोर्डरों पर डटे हुए है। सरकार और किसानों के बीच पिछले सात दौर वार्ता विफल होने के बाद किसान में सरकार के विरुद्ध आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस कड़ी में किसानों संगठनों ने ट्रेक्टर मार्च का ऐलान किया था। जिसके चलते आज यूपी गेट से किसानों ने भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत के नेतृत्व में विशाल ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। यूपी गेट धरना स्थल से किसानों का ट्रेक्टर मार्च सुबह 9 बजे प्रारम्भ हुआ। ट्रेक्टर मार्च में लगभग 119 ट्रेक्टर,15 कार और मोटर साइकिल सहित लगभग 500 से अधिक किसान शामिल हुई।

इस दौरान धरना स्थल धरना संचलन करने वाली कमेटी द्वारा ट्रेक्टर रैली में शामिल ट्रेक्टरों सहित सभी वाहनों को आईडी नम्बर भी दिए गए। ट्रैक्टर मार्च के रवाना होने से पहले भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसान अपने हकों की लड़ाई लड़ रहा है। और सरकार को आज नही तो कल किसानों की मांगों को मानना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार नए कृषि कानूनों वापिस नही लेगी तब तक किसानों की घर वापसी नही होगी। ४० कानूनों के विरोध में किसानों द्वारा यूपी गेट से जाल ट्रैक्टर मार्च निकाला गया इस दौरान बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टरों के साथ मार्च में शामिल हुए ट्रैक्टर मार्च के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम की स्थिति बन गई ऐसे में मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने कड़ी मशक्कत और रूट डायवर्जन कर जाम खुलवाया वही इस दौरान एक एंबुलेंस भी ट्रैक्टर मार्च में फस गई स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने ट्रैक्टरों को रुकवा कर एंबुलेंस को सुरक्षित वहां से निकाला।

किसान धरना स्थल पर पहुची मोबाइल रैनबसेरा बस

यूपी गेट पर चल रहे किसान आंदोलन में किसानों का लगातार हो रही बरसात से किसानों को बचने के दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पांच मोबाइल रैनबसेरा बस भेजी है। दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक द्वारा विभिन्न स्कूलों के सहयोग से ये बसे मंगवाई है। प्रबंधक कमेटी द्वारा भेजी गई बसों में से एक बस में 10 किसानों के सोने की व्यवस्था की गई है। दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा किसानों की मदद के लिए भेजी गई बसों के लिए आंदोलनरत किसानों ने आभार जताया। बतादें इस से पूर्व सिंघु बॉर्डर पर भी दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा इस तरह की बसे भेजी गई थी।

LEGAL INFOSOLUTIONS PVT LTD.
❖ LABOUR LAWS ❖ HR MANAGEMENT
❖ PAYROLL OUTSOURCING MANAGEMENT
❖ SOCIAL AUDIT & COMPLIANCE'S)
http://www.legalipl.com
BE-243, G.F., Avantika, Ghaziabad- U.P.- 201002
The Ithum IT Park, Suite # 007, 3rd Floor, Tower C, Plot No. 40 A, Sector 62, Noida, 201301-U.P. India
9818036460
legalipl243@gmail.com

सम्पादकीय

दोहरी चुनौती

सत्येन्द्र सिंह

जाहिर है, महामारियों के इतिहास में इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि टीके के निर्माण में परीक्षणों के कई चक्र की वजह से आमतौर पर कई–कई साल लगते हैं, मगर इस बार चिकित्सा विज्ञान के विशेषज्ञों ने अपेक्षया काफी कम समय में टीका तैयार कर लिया। निश्चित रूप से इस मोर्चे पर गंभीर चिंता से दो–चार दुनिया को बड़ी राहत मिली है।

मगर एक नई निराशाजनक और चेतावनी से भरी खबर यह आई है कि कुछ दूसरे देशों सहित हमारे देश के कुछ राज्यों में भी बर्ड फ्लू तेजी से फैलने लगा है। हालांकि इस बुखार का वायरस आमतौर पर कई तरह के पक्षियों को संक्रमित करता है, लेकिन मनुष्य इससे पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। संवेदनशील परिस्थितियों और मामूली लापरवाही की वजह से कोई मनुष्य इस वायरस के संपर्क में आ जाए तो उसे गंभीर खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और केरल जैसे राज्यों में बर्ड फ्लू का संक्रमण फैलने की खबरें हैं। हरियाणा में भी इस नए खतरे का असर इस रूप में सामने आया है कि पिछले दिनों पंचकूला में बरवाला के पोल्ट्री फार्म में करीब एक लाख मुर्गियों की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश के पोंग बांध झील अभयारण्य में अब तक लगभग अठारह सौ प्रवासी पक्षियों की मौत हो गई।

इसके अलावा, राजस्थान के कई जिलों सहित मध्य प्रदेश से भी पक्षियों के नमूनों की जांच के बाद बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। केरल के कोट्टयम में डेढ़ हजार बत्तखों की मौत के बाद कई जिलों में सतर्क रहने की चेतावनी जारी की गई है। जाहिर है, एक साथ कई राज्यों में बर्ड फ्लू के संक्रमण में तेजी के मद्देनजर हालात को गंभीर कहा जा सकता है। अफसोस यह है कि अभी दुनिया के सभी देश कोरोना के झटके का ही सामना कर रहे हैं और इससे बचाव के उपाय नजदीक होने के बावजूद खुद को सुरक्षित नहीं पा रहे हैं। इस बीच बर्ड फ्लू ने एक नई चिंताजनक स्थिति पैदा कर दी है।

दरअसल, बर्ड फ्लू के नाम से ख्यात यह बीमारी एवियन इनफ्लूएंजा वायरस एच5एन1 के जरिए फैलती है। यों मुख्य रूप से इसका असर पक्षियों में देखा गया है और मनुष्य के जीवन पर अब तक इसका कोई बड़ा खतरा सामने नहीं आया है। मगर इसका कारण यह है कि पिछले करीब ढाई दशक के दौरान इसके संक्रमण के गंभीर होने के साथ शुरूआती दौर में ही इससे बचाव के पुख्ता इंतजाम किए गए।

कई देशों में लाखों वैसे पक्षियों को मार कर उनका सुरक्षित तरीके से निपटान किया गया, ताकि संक्रमण मनुष्यों को प्रभावित न करे। हालांकि अब तक मनुष्यों पर सीमित असर के बावजूद इसकी गारंटी नहीं है कि आने वाले दिनों में इस वायरस के खतरे से मनुष्य बचा रहेगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इस वायरस के संक्रमण से सांस लेने में परेशानी, कफ, सिर और मांसपेशियों में दर्द, गले में सूजन आदि कई लक्षण उभर सकते हैं।

फिलहाल जिस कोरोना वायरस ने समूची दुनिया को फिक्र में डाल रखा है, उसकी चपेट में आने पर भी इसी तरह के कुछ मुख्य लक्षण देखे गए हैं। जाहिर है, मौजूदा मुश्किल समय में बर्ड फ्लू का खतरा दोहरी चुनौती की शक्ल में सामने आया है और इससे निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए।

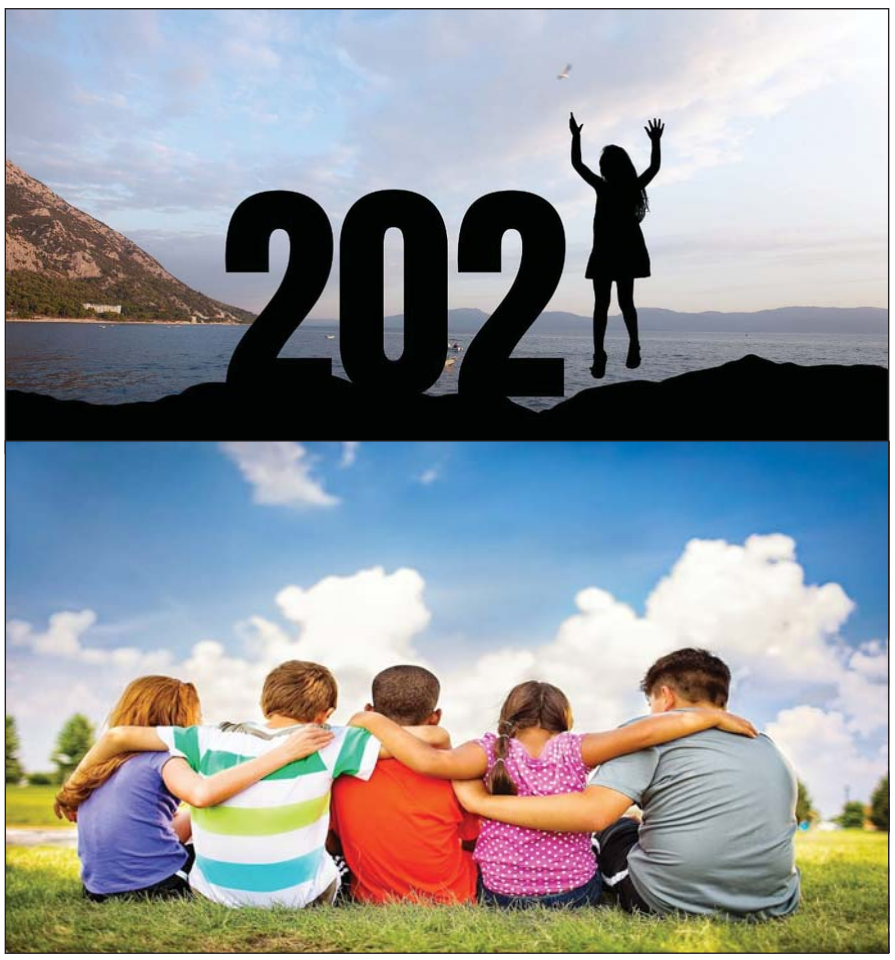

TAKSHAK
MANAGEMENT INDIA PVT LTD
EVENTS MANAGEMENT
PR MANAGEMENT
ARTISTS MANAGEMENT
http://www.takshakindia.com
BE-243, G.F., Avantika, Ghaziabad- U.P.-201002
The Ithum IT Park, Suite # 007, 3rd Floor, Tower C,
Plot No. 40 A, Sector 62, Noida, 201301-U.P. India
9818036460
takshakindia@gmail.com

नए वर्ष में हो नयी जीवनशैली का सार्थक संकल्प

नए वर्ष का स्वागत हम इस सोच और संकल्प के साथ करें कि हमें कोरोना महामारी को अलविदा कहते हुए कुछ नया करना है, नया बनना है, नये पदचिह्न स्थापित करने हैं। बीते वर्ष की पीड़ाओं, दर्द एवं प्रकोप पर नजर रखते हुए उन पर नियंत्रण पाने का संकल्प लेना है। हमें यह संकल्प करना और शपथ लेनी है कि आने वाले वर्ष में हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो हमारे उद्देश्यों, उम्मीदों, उमंगों और आदर्शों पर प्रश्नचिह्न टांग दे। हमें नये साल में अपनी जीवनशैली को नया रंग और आकार देना है। कोरोना महामारी ने हमारे जीने के तौर–तरीके को अस्तव्यस्त कर दिया है। नववर्ष का स्वागत करते हुए हमारे द्वारा यह कामना करना अस्वाभाविक नहीं थी कि हमारे नष्ट हो गये आदर्श एवं संतुलित जीवन के गौरव को हम फिर से प्राप्त करेंगे और फिर एक बार हमारी जीवन–शैली में पूर्ण भारतीयता का सामंजस्य एवं संतुलन स्थापित होगा। किंतु कोरोना के जटिल नौ माह के बीतने एवं नये साल की अगवानी पर हालात का जायजा लें, तो हमारे राष्ट्रीय, सामाजिक, पारिवारिक और वैयक्तिक जीवन में जीवन–मूल्य एवं कार्यक्षमताएं खंड–खंड होते दृष्टिगोचर होते हैं। हर व्यक्ति जीवन को उन्नत बनाना चाहता है, लेकिन उन्नति उस दिन अवरुद्ध होनी शुरू हो जाती है जिस दिन हम अपनी कमियों एवं त्रुटियों पर ध्यान देना बन्द कर देते हैं। यह स्थिति आदमी से ऐसे–ऐसे काम करवाती है, जो आगे चलकर उसी के लिए हानिकारक सिद्ध होते हैं। रही–सही कसर पूरी कर देती है हमारी त्रुटिपूर्ण जीवनशैली। असंतुलित जीवन है तो आदमी सकारात्मक चिंतन कर नहीं सकता। विचारणीय बात यह है कि किस उद्देश्य से जीवन जीया जाए? यह प्रश्न हर व्यक्ति के सामने होना चाहिए कि मैं क्यों जी रहा हूं? जीवन के उद्देश्य पर विचार करेंगे तो एक नई सचाई सामने आएगी और जीवन की शैली का प्रश्न भी सामने आएगा। हम मनुष्य जीवन की मूल्यवत्ता और उसके तात्पर्य को समझें। वह केवल पदार्थ भोग और सुविधा भोग के लिए नहीं बल्कि कर्म करते रहने के लिये है। मनुष्य जन्म तो किन्हीं महान उद्देश्यों के लिए हुआ है। हम अपना मूल्य कभी कम न होने दें। प्रयत्न यही रहे कि मूल्य बढ़ता जाए। लेकिन यह बात सदा ध्यान में रहे कि मूल्य जुड़ा हुआ है जीवनमूल्यों के साथ। अच्छी सोच एवं अच्छे उद्देश्यों के साथ। हायमैन रिकओवर ने कहा कि अच्छे विचारों को स्वतः ही नहीं अपनाया जाता है। उन्हें पराक्रमयुक्त धैर्य के साथ व्यवहार में लाया जाना चाहिए। हमारे घर–परिवारों में ऐसे–ऐसे खान–पान, जीने के तौर–तरीके और परिधान घर कर चले हैं कि हमारी संस्कृति और सांस्कृतिक पहचान ही धूमिल हो गई है। इंटरनेट एवं छोटे–परदे की आँधी ने समूची दुनिया को एक परिवार तो बना दिया है, लेकिन इस संस्कृति में भावना का रिश्ता, खून का रिश्ता या पारिवारिक संबंध जैसा कुछ दिखता ही नहीं है। यही नहीं इस जीवनशैली से अकर्मण्यता एवं उदासीनता भी पसर रही है। सभी अपने स्वार्थों के दीयों में तेल डालने में लगे हैं। संकीर्ण सोच के अँधेरे गलियारों में औंधे मुँह पड़े संबंध और मानवीय रिश्ते सिसक रहे हैं। भले ही हमारे देश की सांस्कृतिक परंपराएँ और आदर्श जीवन–मूल्य समृद्ध एवं सुदृढ़ रहे हैं किन्तु कोरोना महाव्याधि के प्रकोप की हवाओं ने हमारे जन–मानस में भावी जीवन के सन्दर्भ में भय एवं आशंकाओं का धुंधलका घोलकर हमारे रहन–सहन और आचार–विचार को असंतुलित किया है, और इससे हमारी संयुक्त परिवार, आदर्श जीवनशैली एवं प्रेरक संस्कृति की परंपरा बिखर रही है। ऐसे परिवार ढूँढ़ने पर भी मुश्किल से मिलते हैं, जो शांति और संतोष के साथ आनंदित जीवन जीते हैं। अथोर्पार्जन से जुड़ी गतिविधियों का हिसाब तो जीडीपी में आ जाता है, लेकिन देशवासियों का जो समय गैरआर्थिक गतिविधियों में लगता है, उसका अंदाजा लेने की कोई कोशिश नहीं की गई है। घरेलू महिलाओं के कामकाज एवं श्रम का मूल्यांकन कभी होता ही नहीं, यदि ऐसा आकलन हो तो जीडीपी में उनका योगदान कम नहीं है। जन्मदिवस पर केक काटने और मोमबत्तियाँ जलाने और बुझाने की जगह अब हम दीपक कोरोना महामारी को भगाने के लिये जलाते हैं, ताली भी उसी के विरुद्ध अपने संकल्प को दृढ़ करने के लिये बजाते हैं। रीति–रिवाजों के ही साथ नृत्य–संगीत की भी बात की जा सकती है। जन्मदिवस पर, विवाह समारोहों पर, खुशी के अन्य अवसरों पर मन की प्रसन्नता की अभिव्यक्ति कहां कर पा रहे हैं? हमारे यहाँ सारे विश्व को देने व सिखाने के लिए दीपक जलाने, ताली बजाने, लोकगीत, लोकनृत्य, शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य आदि की अति समृद्ध परंपरा है, जिनसे हमने विश्व को रू–ब–रू किया है। गरभा, भाँगड़ा, घूमर, भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी एवं भारतीय नृत्यों को प्रोत्साहन दें। यह देश तानसेन व बैजूबावरा का देश है। इस देश को कर्ण कटु एवं तेज–कर्कश संगीत उधार लेने की आवश्यकता क्यों है? हमारे नृत्य–संगीत सत्यम–शिवम्–सुंदरम के साक्षात स्वरूप हैं। हमारी जीवनशैली में इनके लिये समय का नियोजन जरूरी है, क्योंकि ये हमारी समृद्धि, स्वास्थ्य एवं विकास के प्रेरक है। समस्या यही है कि हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं, जीवन हमारा असन्तुलित एवं त्रुटिपूर्ण बना हुआ है। इस जीवन की सबसे बड़ी बाधा है जीवन में कार्यों एवं परम्पराओं के लिये समय का असंतुलित बंटवारा, असंतोष की मनोवृत्ति और अतृप्ति। जब मन की चंचलता बनी हुई है, तो मनोबल नहीं बढ़ सकता। मनोबल की साधना ही नहीं है तो संकल्पबल मजबूत कैसे होगा? मन में तो तरह–तरह की तरंगे उठ रही हैं। क्षण भर के लिए भी मन स्थिर होने के लिए तैयार नहीं है। तृप्ति कहीं नहीं है। देश के नम्बर एक औद्योगिक घरानों में गिने जाने वाले टाटा, बिड़ला, रिलायंस अब सब्जी–भाजी बेच रहे हैं। बड़े शहरों में इनके डिपार्टमेंटल स्टोर हैं। जिनमें तेल, लूण और रोज के काम में आने वाले सारी चीजें शामिल हैं। छोटे दुकानदार की रोजी–रोटी तो अब वे लोग हथिया रहे हैं। तृप्ति है कैसे? शांति, संतोष और तृप्ति का एक ही साधन है और वह है योग। श्रीकृष्ण अर्जुन से इसीलिए कहा हैं कि अब तुम तृप्त होकर योगी बन जाओ। इसी तृप्ति में जीवन की समृद्धि का स्रोत समाहित है, इसलिये दैनिक जीवन में योग का समावेश जरूरी है। प्राचीन ऋषियों ने भी एक सूत्र दिया था–संतोषः परमं सुखं। संतोष परम सुख है और असंतोष का कहीं अंत नहीं है।

जब तक इस सूत्र पर अमल होता रहा, स्थिति नियंत्रण में रही। जैसे ही संतोष की डोर कमजोर होना शुरू हुई, स्थिति तनावपूर्ण होती गई। यह बात व्यक्ति ही नहीं, समाज, राष्ट्र एवं विश्व व्यवस्था पर भी लागू होती है। महामात्य चाणक्य को राजनीति का द्रोणाचार्य माना जाता है। उनका दिया हुआ सूत्र है–शासन को इन्द्रियजयी होना चाहिए। बात शासन से पहले व्यक्ति की है। व्यक्ति का जीवन ही राष्ट्र का निर्माण है। इसलिये प्रयास वहीं से शुरू होने चाहिए और नया वर्ष एक अवसर है इस प्रयास के संकल्पों का। नया वर्ष हर बार नया संदेश, नया संबोध, नया सवाल, नया लक्ष्य लेकर आता है कि बीते वर्ष में हमने क्या खोया, क्या पाया? पर जीवन की भी कैसी विडम्बना! हर वर्ष एक दिन के लिए ही हम स्वयं को स्वयं के द्वारा जानने की कोशिश इस संकल्प के साथ करते हैं कि ऐसा हम तीन सौ पैंसठ दिन करेंगे, लेकिन वर्ष की दूसरी तारीख ही हमें अपने संकल्प, अपनी शपथ से भटका देती है। नए वर्ष को सचमुच सफल और सार्थक बनाने के लिए हमें कुछ जीवन–मंत्र धारण करने होंगे। यूं तो हमारे धर्म–ग्रंथ जीवन–मंत्रों से भरे पड़े हैं। प्रत्येक मंत्र दिशा–दर्शक है। उसे पढ़कर ऐसा अनुभव होता है, मानो जीवन का राज–मार्ग प्रशस्त हो गया। उस मार्ग पर चलना कठिन होता है, पर जो चलते हैं वे बड़े मधुर फल पाते हैं। कठोपनिषद् का एक मंत्र है–ह्यउत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत ह्ल इसका अर्थ किया गया है–उठो, जागो और नया रचो। ह्यनए वर्ष का मंत्र यानी हमारा संकल्पह्ल हमारा ध्यान अच्छाइयों की ओर आकृष्ट करता है और उन्हें प्राप्त करने के लिए उद्योग करने को प्रोत्साहित करता है। इसे जीवन की किसी भी दिशा में प्रयुक्त किया जा सकता है। बस, वही क्षण जीवन का सार्थक है जिसे हम पूरी जागरूकता के साथ जीते हैं और वही जागती आंखों का सच है जिसे पाना हमारा मकसद है। सच और संवेदना की यह संपत्ति ही नए वर्ष में हमारी सफलता को सुनिश्चित कर सकती है। अतः आइए इस विश्वास और संकल्प को सचेतन करें कि अब कोरोना महामारी जैसे संकट नहीं रहेंगे। बिना किसी को मिटाये निर्माण की नई रेखाएं खींचें। यही साहसी सफर शक्ति, समय और श्रम को सार्थकता देगा।

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@gmail.com

और जब योगी ने अफसरों को लगाई फटकार, सहम गए नेतागण

गुनाहगारों को बचाने में लगे लोगों पर भी हो सकती है कार्रवाई

-उद्योग विहार (जनवरी 2021)-

गाजियाबाद। मुरादनगर श्मशान घाट हत्याकांड के गुनाहगारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कतई बख्शने के मूड में नहीं नहीं हैं। हत्याकांड के असली गुनहगारों को बचाने की कोशिशें पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों पर भी भारी पड़ सकती है। थोड़ी देर के लिए गाजियाबाद पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात के संकेत दे दिए। मुरादनगर की घटना से आहत मुख्यमंत्री गुस्से से लाल दिखे और उन्होंने वहां पर मौजूद

❑ रोहतक जाने से पहले हिंडन एयरपोर्ट में रूके मुख्यमंत्री

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय से मुरादनगर हादसे की पूरी जानकारी ली। साथ ही इस पूरे प्रकरण की जांच एसआईटी से कराने के निर्देश जारी कर दिये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ से विमान में सवार होकर सीधे हिंडन एयरपोर्ट पहुंचे। सीएम का रोहतक जाने का कार्यक्रम निर्धारित था। रोहतक जाने से पहले उन्होंने हिंडन एयरपोर्ट पर कुछ समय गुजारा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की जानकारी भी चंद लोगों को ही थी। वहां कुछ देर रूककर मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी अजयशंकर पांडे से उखालरसी श्मशान घाट मामले की जानकारी ली।

इस मौके पर गाजियाबाद के सांसद एंव केद्रीय राज्यमंत्री जनरल बीके सिंह भी मौजूद थे। भरोसेमंद सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकारी लापरवाही पर सीएम ने जमकर फटकार भी लगाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच पर भी उनकी नजर रहेगी। इस बात का ध्यान रखा जाए कि असली गुनहगार को सबक सिखाया जाए।

एसआईटी से जांच कराने के दिये निर्देश

बताया जाता है कि जिलाप्रशासन की ओर से अब तक की कार्यवाही से वे संतुष्ट नहीं दिखे। दरअसल अब तक की कार्रवाई की दिशा बता रही है कि असली गुनहगार कहीं ना कहीं जांच के दायरे से छूट रहे हैं। कई ऐसे पहलू निकल कर सामने आ रहे हैं जो भ्रष्टाचार के एक बहुत बड़े खेल की तरफ इशारा कर रहा है। इस खेल में बड़े-बड़े नाम शामिल हैं। दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद देने का निर्देश दिया। उन्होंने इस पूरे मामले की जांच एसआइटी से कराने के निर्देश दिए हैं। ये जानकारी उनके ट्विटर हैंडल से भी दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी कार्रवाई हो कि दोबारा कोई इस तरह की हरकत न कर सके। जनपद में अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की भी जांच कराने के निर्देश दिए हैं, जिससे कि मुरादनगर जैसा हादसा दोबारा न हो।

डीएम ने दी मद्द की जानकारी

गाजियाबाद के जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने सीएम को बताया कि वह खुद पीड़ित परिवारों के संपर्क में हैं। मंगलवार को भी वह और उनके अनीधनस्थ अफसर पीड़ित परिवारों से मिलने गए थे। उनकी मदद के लिए चिकित्सा विभाग की टीम, जिला आपूर्ति अधिकारी, डूडा विभाग के पीओ को वहां कैंप करने और पीड़ित परिवार की छोटी से छोटी परेशानी के बारे में जानकारी करने के अलावा मदद करने के लिए लगाया गया है। उखलारसी में राशन से लेकर दवाएं तक मुहैया कराई जा रही हैं। एक परिवार को मकान भी दिलाया जा चुका है। हादसे के सदमे से लोगों को निकालने के लिए मनोचिकित्सकों की एक टीम को काउंसलिंग के लिए लगाया गया है।

प्रमुख सचिव की समीक्षा बैठक, एजेंडे का डाटा जुटाने में लगे जीडीए अफसर

-उद्योग विहार (जनवरी 2021)-

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री आवास योजना को धरातल पर साकार करने की दिशा में धरातल पर चल रहे कामों समेत कई अन्य पहलुओं को लेकर प्रमुख सचिव आवास की समीक्षा बैठक के मददेनजर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण जीडीए के अधिकारी डाटा जुटाने में लगे रहे। प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन की अध्यक्षता में वीडियों कान्फ्रसिंग के माध्यम से प्रस्तावित समीक्षा बैठक का बाकायदा एजेंडा जारी किया गया है। बताते है कि एजेंडे में इस बात का उल्लेख किया गया कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास को धरातल पर साकार करने की कडी में जिला नगरीय विकास अभिकरण डूडा के माध्यम से प्राप्त लाभार्थियों की सूची के सत्यापन/परीक्षण के कार्य की स्थिति के साथ ही आवंटन प्रक्रिया में सफल लाभार्थियों विवरण को शासन के एमआईएस पोर्टल पर अपलोड करने की स्थिति पर चर्चा होगी। इसके साथ साथ एजेंडे में इस बात का भी उल्लेख किया गया कि योजनान्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय किश्त की निर्गत धनराशि की स्थिति के अलावा प्राइवेट बिल्डरों के द्वारा बनाए जा रहे भवनों की प्रगति की स्थिति को भी समीक्षा में शामिल किया गया है। इसके अलाव सीएसएमसी से स्वीकृत ऐसी परियोजनाओं पर भी जानकारी मांगी गई है जिनमें निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है अथवा नहीं। निर्माण कार्य प्रारंभ होने के कारणों पर भी शासन ने सवाल किए है।

इसके साथ-साथ चिन्हित अवैध निर्माण एवं उन पर लिए गए एक्शन से संबंधित डिटैल भी मांगी गई है। विभिन्न न्यायालयों में दायर वादों में प्राधिकरण एवं आवास विकास परिषद के द्वारा शपथ पत्र दाखिल न किए जाने के पहलू पर भी रिपोर्ट मांगी गई है। शासन के एजेंडे में आवास विकास परिषद समेत कई ऐसे प्राधिकरणों का भी उल्लेख किया गया है, जिनके द्वारा अदालतों में शपथ पत्र ही दाखिल नहीं किए गए है। जिनमें लखनउ विकास प्राधिकरण के साथ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का भी उल्लेख किया गया है। अवमानना के प्रकरणों में अदालत क सामने शपथ पत्र दाखिल न करने वाले प्राधिकरणों का भी उल्लेख किया गया है।

डीएम व विधायक ने मुरादनगर में हुए हादसे के पीड़ित परिजनों को सौंपी मकान की चाबी

-उद्योग विहार (जनवरी 2021)-

गाजियाबाद। उखलारसी श्मशान घाट पर हुए हादसे में मृतक व गंभीर रुप से घायल लोगों के परिजनों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन की टीम ने घर-घर जाकर डाटा एकत्र करना शुरू कर दिया है। एडीएम प्रशासन व उपजिलाधिकारी मोदीनगर के नेतृत्व में शुरू किया डोर टू डोर सर्वे में पीड़ित परिवारों की आर्थिक स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। इसके अलावा डीएम ने मृतकों व घायलों के परिजनों से मिलकर उनकी हर मदद करने की बात कहीं। एक मृतक के परिजनों को डीएम ने मकान की चांबी भी सौंपी। बंबा मार्ग स्थित श्मशान घाट परिसर में श्रद्धांजलि देते समय लोगों के ऊॅपर छत गिर गई थी।

इस हादसे में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि काफी संख्या में लोग घायल हो गए थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों को दस-दस लाख रुपये का मुआवजा, सरकारी नौकरी, आवास के अलावा घायलों को फ्री इलाज करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के बाद प्रशासन के अधिकारी हरकत में आ गए है। एडीएम संतोष कुमार वार्ष्णेय व उपजिलाधिकारी व नायब तहसीलदार कोमल पंवार के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षण की टीमों ने हादसे में मृतक व घायलों के घर-घर जाकर आर्थिक स्थिति का जायजा लिया।

उपजिलाधिकारी आदित्य प्रजापति ने बताया कि पीड़ितों में किसी परिवार के पास मकान है या नही। जिसके पास मकान नहीं, उसे सरकारी योजना के तहत मकान दिलवाया जाएगा और जिन परिवारों में कोई कमाने वाला नहीं, उनकी पढ़ाई की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मुआवजा राशि देने के लिए मृतकों के परिजनों के बैंक खाता व अन्य जानकारी की जा रही है। जल्द मुआजवा राशि खाते में पहुंच जाएगी। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के अनुसार हादसे में मारे गए राबिन की मां रजनी देवी को मकान की चांबी व प्रपत्र सौंप दिया गया है। अन्य के फार्म भरवाए जा रहे, उनकों भी जल्द मकान मिल जाएगा। यदि किसी पीड़ित को कोई दिक्कत या परेशानी है तो मेरे से सीधा सम्पर्क कर सकता है।

छात्र-छात्राओं को कोरोना वैक्सीन की जानकारी

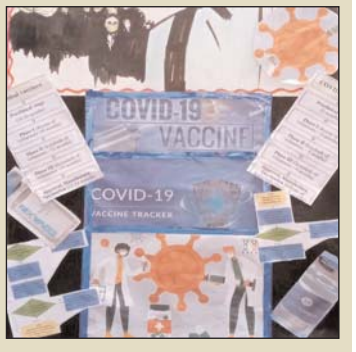

-उद्योग विहार (जनवरी 2021)-

गाजियाबाद। सी.एस.एच.पी.पब्लिक स्कूल में पी.पी.टी. द्वारा छात्र-छात्राओं के साथ कोरोना वैक्सीन संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। अध्यापिकाओं ने भी छात्र-छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर ज्ञानवर्धक रूप से प्रदान करके उनकी जिज्ञासा को शांत किया। कोरोना वैक्सीन संबंधित जानकारी ऑनलाइन वर्ग समूह में अभिभावकों के साथ भी साझा किया गया। यह कदम विद्यालय द्वारा छात्रों व अभिभावकों को जागरूक बनाने के लिए उठाया गया। विद्यालय की प्रबंधिका सविता गुप्ता, निदेशक तुषार गुप्ता जी व प्रधानाचार्या ममता शर्मा ने भी कोरोना वैक्सीन पर अपने विचार प्रस्तुत किए और वैक्सीन के महत्व को समझाकर सतर्कता जाहिर की।

मै. लीगल इन्फोशोल्यूशन्स प्रा0लि0, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक "सत्येन्द्र सिंह" द्वारा मै. बी.एफ.एल. इन्फोटैक लि. प्रेस, सी–9, सैक्टर–3, नोएडा से छपवाकर बी.ई.–243, (ग्राउण्ड फ्लोर) अवन्तिका, गाजियाबाद से प्रकाशित किया।

फोन : 0120–4122901 / 4108794 **मोबाइल नं. :** 9818036460 / 9818697406 **E-mail :** udyogviharnp@yahoo.com **संस्थापक :** शीतला प्रसाद सिंह **प्रधान सम्पादक :** सत्येन्द्र सिंह **सम्पादक :** बबिता सिंह **सह सम्पादक :** राजेश सिंह